

---

# Shri Dvinetrashambhustutih

श्रीद्विनेत्रशम्भुस्तुतिः

## Document Information

---

Text title : dvinetrashambhustutiH  
File name : dvinetrashambhustutiH.itx  
Category : shiva, sachchidAnanda-shivAbhinava-nRisiMhabhAratI  
Location : doc\_shiva  
Author : Sachchidananda Shivabhinava Nrisimha Bharati Swamigal  
Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com  
Latest update : November 9, 2018  
Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Dvinetrashambhustutih

---

### श्रीद्विनेत्रशम्भुस्तुतिः

---



अवतारेऽस्मिन्नामप्रसक्त्यभावाद्द्विनेत्रत्वम् ।

अलमिति तार्तीयं किं नेत्रं शम्भुस्तिरोधत्ते ॥ १ ॥

समताभोधाय नृणां पदपाथोजप्रणाम्नाणाम् ।

गिरिशिनाथे कृपातस्त्यक्ता वा विषमलोचनता ॥ २ ॥

अथवा किं बोधयितुं विकारहीनं पदं कृपाम्बोधे ।

वैरुष्यं मा भूदिति समलोचनतां दधासि मे भ्रूडि ॥ ३ ॥

द्वे विद्ये श्रुतिमध्ये वेद्ये प्रोक्ते जनानां हि ।

धर्ममर्थं बोधयितुं नेत्रद्वन्द्वं गुरो धत्से ॥ ४ ॥

भाष्यं तथान्तरं यद्द्वन्द्वं तमसो निवारयितुम् ।

अलमिति नेत्रद्वन्द्वं धत्से किं यतिवर भ्रूडि ॥ ५ ॥

नेतारो जगतां किल विष्यातौ हरिहरौ लोके ।

तद्गुणयज्ञपत्वात्त्वयि नेत्रद्वन्द्वं गुरो युक्तम् ॥ ६ ॥

स्वाहाभावाद्दस्मिन् स्वाहानाथो निवृत्तो यत् ।

तस्मान्नेत्रद्वन्द्वं शिष्टं यतिरूपशङ्करे नूनम् ॥ ७ ॥

अज्ञानतिमिरसंवृतजनततये बोधनेत्रदानेन ।


अवशिष्टा किमु यास्मिन्नवतारे द्विनेत्रता शम्भो ॥ ८ ॥

एतौ शङ्करि श्रीजगद्गुरु श्रीसख्येदानन्दशिवाभिनवनृसिंह-


भारतीस्वामिभिः विरचिता श्रीद्विनेत्रशम्भुस्तुतिः सम्पूर्णा ।

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Shri Dvinetrashambhustutih*

pdf was typeset on September 17, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

